Literacy for a Billion

Movie: Virasat
Year: 1997

Song: Dhol Bajane Lage
Lyricist: Javed Akhtar

ढोल बजने लगा
गाँव सजने लगा
कोई लौट के आया है
सँग अपने वो रँग
कितने लाया है

आया रे हमरा मितवा
हम झूम झूम गाएँ
नाचे रे हमरा मनवा
हम झूम झूम गाएँ
हो हो हो ...

आनेवाले ना अब जाना
कभी छोड़ के
पड़ते हम पैंयाँ कभी
हाथ कभी जोड़ के

आनेवाले ना अब जाना
कभी छोड़ के
पड़ते हम पैंयाँ कभी
हाथ कभी जोड़ के
जाने ना देंगे हम
अब दिल तोड़ के

अपना कुँवर आया
राजेश्वर आया
सँग अपने वो रँग
कितने लाया है

आया रे हमरा मितवा
हम झूम झूम गाएँ
नाचे रे हमरा मनवा
हम झूम झूम गाएँ
ढोल बजने लगा
गाँव सजने लगा
कोई लौट के आया है

मोहब्बत से भरा
इक दिल है जैसे
मेरे बचपन का साथी
मेरा गाँव
बहुत मीठा है पानी
इस कुँए का
बड़ी ठंडी है
इन पेड़ों की छाँव

घुला संगीत है
जैसे हवा में
ज़रा आवाज़ तो सुन
चक्कियों की
रहट गाता है
धीमी धीमी लय में
सुरीली बोलियाँ हैं
पँछियों की
मैं बरसों बाद लौटा हूँ
तो जाना
ये गाँव गीत है
सदियों पुराना

हे ढोल बजने लगा
गाँव सजने लगा
कोई लौट के आया है
सँग अपने वो रँग
कितने लाया है

आया रे हमरा मितवा
हम झूम झूम गाएँ

नाचे रे हमरा मनवा
हम झूम झूम गाएँ
हो हो हो ...

ढोल बजने लगा
गाँव सजने लगा
कोई लौट के आया है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.